Dummy issue Vichar prikarama page 1-19.qxd 1/10/2010 6:50 PM Page 3

इस अंक में

वर्ष 2 अंक 7 ■ नई दिल्ली, दिसम्बर 2009-जनवरी 2010

विचार परिक्रमा

महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित शोध पत्रिका

संपादक
शरद गोयल

सहायक संपादक
ज्योति मिश्रा
शशिकांत

सहयोग
अमित नारायण (मुंबई)

विज्ञापन और मार्केटिंग
रविरंजन कुमार
मो.: 9868035096

साज सज्जा
संकल्प सर्विसेज
मो.: 9811891265

संपर्क
ई 1/4 पांडव नगर, पटपड़गंज,
मदर डेयरी के सामने, नई दिल्ली-110092
फोन.: 011-22481201
मो.: 9999336096
ई मेल: vichaar.p@gmail.com

स्वामी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक शरद गोयल द्वारा ई 1/4 पांडव नगर, नई दिल्ली-110092 से प्रकाशित और आई. ए. प्रिंटर्स, सी-25, न्यू ब्रजपुरी, खुरेजी, नई दिल्ली-110051 से मुद्रित।

नोटः *पत्रिका में प्रकाशित आलेखों में व्यक्त विचार लेखक के हैं। उनसे संपादकीय सहमति होना अनिवार्य नहीं है। पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा।*

कॉपीराइट : विचार परिक्रमा

कोपेनहेगन के बाद की चुनौतियां

आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को झेल रही है उस संकट में विकसित देशों की भागीदारी साठ प्रतिशत है और उससे निपटने के लिए महज सौ बिलियन सालाना का मुआवजा। यह उस अमेरिका द्वारा प्रस्तावित राशि है जिसका सालाना रक्षा बजट ही 668 बिलियन डॉलर प्रतिवर्ष का है

महेश राठी 7

तेजी से पिघल रहे हैं ग्लेशियर : जयराम रमेश 6
विकसित देशों की सौदेबाजी: सीताराम येचुरी 11
पर्यावरण वार्ता पर बेमतलब की कसरत : रघु 14
विकास की भारी कीमत : सैयद इकबाल हसनैन 18
खाद्य प्रणालियों में सुधार की जरूरत: 22
तापमान यूं ही बढ़ता रहा तो... : नितीश प्रियदर्शी 29
पर्यावरण की चिंताओं का इतिहास: 31
गलत समाधान की भ्रामक श्रृंखला: 33

जलवायु वार्ता के दौर में

भारत कार्बन उत्सर्जन कटौती के लिए विकसित पश्चिमी देशों से हरित तकनीक और धन मुहैया कराने की मांग कर रहा है

डॉ सीमा जावेद 26